(घ) 'बालिका का परिचय' कविता माँ के हृदय की अभिव्यक्ति है' - इस कथन पर विचार कीजिये।

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता में चित्रित श्रमिक जीवन के संघर्ष का वर्णन कीजिये।

3. निम्नलिखित विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(कोई 3)** (6×3=18)

(क) हिंदी की बोलियाँ

(ख) सगुण काव्यधारा

(ग) निराला की श्रमिक चेतना

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की कविता में ओज

(ङ) 'केवट प्रसंग' की मानवता

(च) प्रगतिवाद

7/3/23 EVE

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3372 **D**

Unique Paper Code : 2055201002

Name of the Paper : Hindi Bhasha aur Sahitya : B (GE)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Ramanujan College Library Kalkaji, New Delhi-110019

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये: (8×3=24)

(क) गुर गोविन्द तौ एक है, दूजा यहु आकार।

आपा भेंट जीवत मरै, तौ पावै करतार ।।

अथवा

चरन कमल रज कहूँ सब कहई । मानुष करनि मूरि कछु अहई।

छूअत सिला भइ नारि सुहाई। पाहन तें न काठ कठिनाई।।

(ख) किस गौरव के तुम योग्य नहीं

कब कौं तुम्हें सुख भोग्य नहीं

जान हो तुम भी जग्दीश्वर के

सब है जिसके अपने घर के

फिर दुर्लभ क्या उसके जन को

नर हो न निराश करो मन को।

अथवा

मानव मन को भर देती है दिव्य दीप्ति से

शिव के नंदी सी नदिया में पानी पीता

निर्मल नभ अवनी के ऊपर बिसुध पड़ा है

काल काग की तरह ठूंठ पर गुमसुम बैठा

(ग) प्रभु ईसा की क्षमाशीलता

नबी मुहम्मद का विश्वास।

जीव - दया जिनवर गौतम की,

आओ देखो इसके पास।

अथवा

एक क्षण के बाद वह कांपी सुघर,

ढुलक माथे से गिरे सीकर,

लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा

''मैं तोड़ती पत्थर''

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये (12×4=48)

(क) हिंदी के उद्भव पर विचार कीजिये ।

अथवा

भक्तिकाल का सामान्य परिचय दीजिये।

(ख) कबीर के दोहों के आधार पर गुरु का महत्व रेखांकित कीजिये।

अथवा

तुलसीदास की भक्ति भावना पर विचार कीजिए।

(ग) 'नर हो, न निराश करो मन को' का प्रतिपाद्य लिखिए .

अथवा

'धूप' कविता के आधार पर केदारनाथ अग्रवाल की प्रकृति -चेतना को स्पष्ट कीजिये।